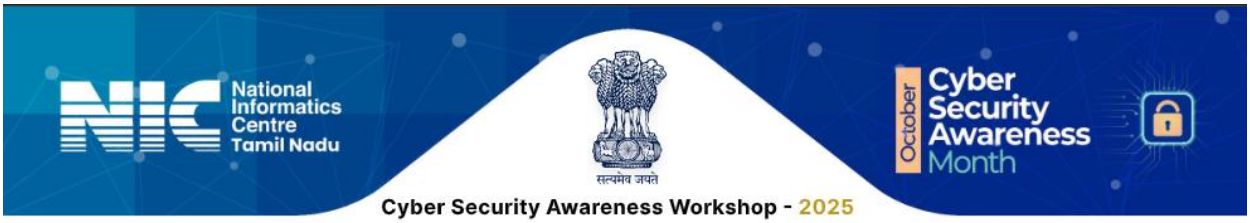

साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला 2025

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC), तमिलनाडु ने 28 अक्टूबर 2025 को अण्णा प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज, ग्रीनवेज़ रोड, चेन्नई में एक दिवसीय साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विभिन्न सरकारी विभागों एवं संगठनों में सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रोत्साहित करना था।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) तमिलनाडु राज्य केंद्र के प्रतिभागियों के अतिरिक्त, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पुदुच्चेरी, तेलंगाना तथा अंडमान एवं निकोबार केंद्रशासित प्रदेश से अधिकारियों की टीमों ने भी इस कार्यशाला में भाग लिया जिससे राज्यों में साइबर सुरक्षा को बढ़ावा मिला।

इस कार्यक्रम में व्यापक राष्ट्रीय सहभागिता देखने को मिली, जिसमें लगभग 120 प्रतिभागी उपस्थित थे और देश के विभिन्न हिस्सों से वेबकास्ट के माध्यम से 900 से अधिक प्रतिभागियों ने वर्चुअली जुड़े।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र ,तमिलनाडु के उप महानिदेशक (DDG) एवं राज्य सूचना अधिकारी (SIO) श्री एम. कमलक्कण्णन द्वारा अतिथियों का स्वागत करने के साथ हुई। उन्होंने स्वागत भाषण दिया और उसके पश्चात दीप प्रज्वल न किया गया।

माननीय अतिथि श्री वी. टी. वी. रमणा, उप महानिदेशक (DDG) एवं समूह समन्वयक (साइबर सुरक्षा) तथा सीआईएसओ (CISO), NIC मुख्यालय, नई दिल्ली ने डिजिटल परिसंपत्तियों की सुरक्षा और सरकारी प्रणालियों की अखंडता सुनिश्चित करने में साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व पर जोर दिया।

श्री रमणा ने विभिन्न ई-शासन प्लेटफार्म पर साइबर लचीलापन (Cyber Resilience) को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) की चल रही पहलों पर भी प्रकाश डाला और सभी अधिकारियों से साइबर स्वच्छता बनाए रखने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने का आग्रह किया।

माननीय अतिथि, श्रीमती शहनाज़ आई, आईपीएस, अधीक्षक पुलिस, साइबर क्राइम विंग, तमिलनाडु सरकार ने एक सारगर्भित संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि साइबर सुरक्षा जागरूकता व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जानकारी की सुरक्षा करने और एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण स्थापित करने में सक्षम बनाती है। उन्होंने वित्तीय एवं गैर-वित्तीय साइबर अपराधों, हालिया रुझानों, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रियाओं, महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों तथा शिकायत निवारण तंत्र जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला।

श्री एम कमलक्कन्नन
डीडीजी और एसआईओ टीएन

श्री वी टी वी रमणा
डीडीजी, एनआईसी मुख्यालय

श्रिमती शहनाज आई पी एस
सम्मानित अतिथि

श्री ब्रजेन्द्र नवनीत आईएएस
मुख्य अतिथि

मुख्य अतिथि, श्री ब्रजेन्द्र नवनीत, आईएएस, प्रधान सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा उद्घाटन संबोधन दिया गया।

राज्य सरकार की व्यापक साइबर सुरक्षा पहलों पर सचिव द्वारा दिया गया संबोधन अत्यंत जानकारीपूर्ण था, जिसने डिजिटल सुरक्षा को बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों का स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

उन्होंने साइबर सुरक्षा नीति 2.0 पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और एक सुदृढ़ एवं सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

तकनीकी सत्रों का विवरण:

श्री हरिहरन एम
वैज्ञानिक-डी

डॉ. एन सुबरमानियन,
ईडी, सेट्स

श्री गोपीनाथ
वैज्ञानिक -एफ

श्रीमती आर जी
चारुमथी
वैज्ञानिक - ई

श्रीमती बिंदु माधवी
वैज्ञानिक-डी

उभरती साइबर सुरक्षा चुनौतियों पर सत्र

श्री हरिहरन एम., वैज्ञानिक-डी, क्षेत्रीय सुरक्षा संचालन केंद्र (RSOC), NIC चेन्नई ने उभरती साइबर सुरक्षा चुनौतियों और उनके निवारण तकनीकों पर एक जानकारीपूर्ण सत्र प्रस्तुत किया।

उन्होंने क्लाउड प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करते समय बरती जाने वाली सावधानियों, Google क्लाउड से डेटा हटाना जैसी समस्याओं, AWS आउटेज, पायरेटेड सॉफ़्टवेयर के जोखिमों आदि पर चर्चा की।

इसके साथ ही उन्होंने जागरूकता और तैयारियों को बढ़ाने के लिए वास्तविक साइबर सुरक्षा घटनाओं के उदाहरण भी साझा किए।

भविष्य के लिए साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने पर विशेषज्ञ व्याख्यान

डॉ. एन. सुब्रमणियन, कार्यकारी निदेशक, सोसाइटी फॉर इलेक्ट्रॉनिक ट्रांज़ैक्शन्स एंड सिक्योरिटी (SETS), भारत सरकार ने उभरती प्रवृत्तियों और भविष्य के लिए साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने के उपायों पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उन्होंने विकसित होते खतरों, क्रिप्टोग्राफी में प्रगति (जिसमें पोस्ट-क्वांटम क्रिप्टोग्राफी शामिल है), डेटा सुरक्षा, गोपनीयता बढ़ाने की तकनीकें, साइबर सुरक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की भूमिका, तथा सुदृढ़ प्रणालियाँ बनाने में *लोग–प्रक्रिया–प्रौद्योगिकी* के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

नेटवर्क सुरक्षा पर सत्र

श्री गोपीनाथ एस, वैज्ञानिक–एफ, राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क चेन्नई **ने** नेटवर्क सुरक्षा अवसंरचना और भविष्य के उन्नयन पर एक ज्ञानवर्धक सत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने CIAA फ्रेमवर्क, भौतिक, एप्लिकेशन, सर्वर तथा नेटवर्क स्तरों पर सुरक्षा, साथ ही स्पूफिंग, VLAN एवं DHCP हमलों, तथा रूटिंग और DNS कमजोरियों जैसे खतरों पर विस्तार से चर्चा की।
सत्र में IoT सुरक्षा और संपूर्ण नेटवर्क लचीलापन बढ़ाने के लिए *ज़ीरो ट्रस्ट आर्किटेक्चर* जैसे उभरते क्षेत्रों को भी शामिल किया गया।

स्टेट CERT और SOC पर सत्र

श्रीमती आर.जी. चारुमति, वैज्ञानिक–ई, RSOC, NIC चेन्नई ने "स्टेट CERT और स्टेट SOC" विषय पर एक प्रस्तुति दी, जिसमें विभागों के बीच साइबर सुरक्षा लचीलापन, घटना प्रतिक्रिया और समन्वय को मजबूत करने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने थ्रेट डिटेक्शन, लॉग विश्लेषण, प्रतिक्रिया स्वचालन, तथा SIEM और अन्य सुरक्षा उपकरणों की तैनाती जैसे प्रमुख कार्यों की विस्तार से व्याख्या की। सत्र में एक सशक्त, सुरक्षित और विश्वसनीय डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए राज्य-स्तरीय CERT और SOC की स्थापना के महत्व पर जोर दिया गया।

एप्लिकेशन सुरक्षा और सुरक्षित कोडिंग प्रथाओं पर सत्र

श्रीमती आर. बिंदु माधवी, वैज्ञानिक–डी, NIC चेन्नई ने एप्लिकेशन सुरक्षा और सुरक्षित कोडिंग की सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक सारगर्भित सत्र प्रस्तुत किया।

उन्होंने उपयोगकर्ता-अनुकूल डिज़ाइन के साथ-साथ सुरक्षित वेब अनुप्रयोग विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। सत्र में बढ़ती कमजोरियों, तथा सुरक्षित प्रमाणीकरण, एन्क्रिप्शन, नियमित अपडेट और सतत निगरानी जैसी मजबूत सुरक्षा उपायों की आवश्यकता को रेखांकित किया गया, ताकि विकसित होते साइबर खतरों से प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

श्री ब्रजेंद्र नवनीत, IAS द्वारा जारी किया गया ब्रोशर और न्यूज़लेटर

श्री ब्रजेन्द्र नवनीत, आईएएस, प्रधान सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं डिजिटल सेवा विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा जारी साइबर सुरक्षा पुस्तिका प्रतिभागियों को वितरित की गई। इस पुस्तिका में SMS एवं फ़िशिंग सुरक्षा, वेबसाइट और एप्लिकेशन सुरक्षा, डिजिटल खातों की सुरक्षा, साइबर लचीलेपन तथा मोबाइल सुरक्षा से संबंधित सर्वोत्तम प्रथाओं का विवरण दिया गया है। NIC तमिलनाडु की त्रैमासिक न्यूजलेटर ***THISAI*** का अक्टूबर 2025 अंक भी कार्यक्रम के दौरान जारी किया गया।

श्रीमती जे जीविता, वैज्ञानिक-डी &
श्रीमती. ए. थामराई मुथु सेल्वी, वैज्ञानिक-डी

श्री एस पॉल अरोकीनाथन
वैज्ञानिक -एफ

श्रीमती जे. जीविता, वैज्ञानिक–डी और श्रीमती ए. तामरै मुथ्थु सेल्वी, वैज्ञानिक–डी, ने कार्यशाला की कार्यवाही का संचालन किया और कार्यक्रम को सुचारू एवं निर्बाध रूप से संपन्न कराया।

कार्यशाला का समापन श्री एस. पॉल आरोकियनाथन, वैज्ञानिक–एफ, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC), चेन्नई द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने वक्ताओं द्वारा साझा किए गए प्रमुख बिंदुओं और मूल्यवान जानकारियों पर प्रकाश डाला, जिन्होंने सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाएँ प्रदान कीं।

कार्यशाला में राज्य सरकार के अधिकारियों, आईटी विशेषज्ञों और साइबर सुरक्षा पेशेवरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यह कार्यक्रम ज्ञान-साझा करने तथा सार्वजनिक प्रशासन में साइबर जागरूकता और लचीलापन बढ़ाने की संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच सिद्ध हुआ।

--*-*-*-*-*-*-*